हिन्दी साहित्य का इतिहास

काल विभाजन और नामकरण

(रामचंद्र शुक्ल और रामकुमार वर्मा)

डॉ. नवीन नन्दवाना

हिन्दी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

www.fppt.info

आचार्य रामचंद्र शुक्ल

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'हिंदी साहित्य का इतिहास' नामक पुस्तक में काल विभाजन इस प्रकार किया है-

    1. वीरगाथाकाल (1050-1375 वि.सं.)
    2. भक्तिकाल (1375-1700 वि.सं.)
    3. रीतिकाल (1700-1900 वि.सं.)
    4. गद्यकाल (1900-1984 वि.सं.)

www.fppt.info

आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इन्होंने आधुनिक काल का उपविभाजन भी किया है-

प्रथम उत्थान – भारतेंदु काल

द्वितीय उत्थान – द्विवेदी युग

तृतीय उत्थान – कोई दूसरा नाम नहीं दिया।

www.fppt.info

डॉ. रामकुमार वर्मा

- डॉ. रामकुमार वर्मा का काल विभाजन ने अपने इतिहास ग्रंथ 'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' (1938) में काल विभाजन इस प्रकार किया-

1. संधिकाल (700-1000 वि.सं.)
2. चारणकाल (1000-1375 वि.सं.)
3. भक्तिकाल (1375-1700 वि.सं.)
4. रीतिकाल (1700-1900 वि.सं.)
5. आधुनिक काल (1900- अब तक)

www.fppt.info

डॉ. रामकुमार वर्मा की देन

- स्वयंभू को हिंदी का पहला कवि माना।
- युगीन धाराओं को सरल नाम दिया। जैसे- निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा को संत काव्य और निर्गुण प्रेमाश्रयी शाखा को सूफ़ी काव्य।
- 693 से 1693 की काल अवधि को आधार माना।

www.fppt.info

धन्यवाद !

www.fppt.info